

समय के साथ  
जीवन में  
परिवर्तन किजीये  
, वरना वक्त  
बदलने के लिए  
तिने नाही लगेगा।

## निःशुल्क आवास सुविधा- सरकार का उपकार या नागरिकों का अधिकार, पढ़िए THE CONSTITUTION OF INDIA

हम भारत के लोग एक कल्याणकारी राज्य के नागरिक हैं, जिसका कर्तव्य जन साधारण के सुख एवं समृद्धि की अभिवृद्धि करना है। इसी उद्देश्य से नीति-निर्देशक सिद्धांतों में कुछ आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को निहित किया गया है जिनका पालन करना राज्यों का परम कर्तव्य है। राज्य का यह कर्तव्य है कि वह जनता के हित और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए यथाशक्ति कार्यान्वित करने का प्रयास करे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39 सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार देता है। ये तो राज्य के नीति निर्देशक तत्व हैं यह भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार नहीं हैं हम बात कर रहे हैं क्या राज्य सरकार से आश्रय लेने का अधिकार मौलिक अधिकार हो सकता है जानते हैं इसका जवाब।

### महत्वपूर्ण जजमेंट- चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

उक्त मामले में न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया कि आश्रय पाने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत एक मूल अधिकार हैं एवं राज्य का यह कर्तव्य है कि वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के लिए आवास सुविधा प्रदान करे।

### सुप्रीम कोर्ट के अनुसार आश्रय की परिभाषा

न्यायमूर्तियों ने यह कहा कि किसी मनुष्य को आश्रय देने का तात्पर्य यह नहीं है कि केवल उसके प्राण एवं अंगों की रक्षा की जाए। आश्रय ऐसा हर है जहाँ उसे शारिरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का अवसर मिलता हो, आश्रय देने का अधिकार सिर्फ केवल सर के ऊपर छत देने से नहीं है बल्कि ऐसे घर से है जिसमें वे सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जो मनुष्य को विकसित के करने के लिए सहायक हो। राज्य का कर्तव्य यह है कि वह अपने आर्थिक स्रोतों को देखते हुए सभी नागरिकों को ऐसे आश्रय प्रदान करने का प्रयास करें एवं निर्धन अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को देश की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य का यह संवैधानिक कर्तव्य है कि उन्हें आवास सुविधाएं प्रदान करे।

## उत्तराधिकारी भतीजे की जमीन यदि चाचा ने बेच दी तो, नामांतरण शून्य करवाने के लिए क्या करें, जानिए Madhya Pradesh legal general knowledge and law study

मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर ऐसा हो जाता है। पैतृक संपत्ति जिसके 1 से अधिक उत्तराधिकारी होते हैं, उसे शक्तिशाली उत्तराधिकारी बेच देता है और राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर उसका नामांतरण भी हो जाता है। मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता के अनुसार सरकारी खाते में जमीन जिसके नाम दर्ज होती है, उसे ही भूमि का वैदिक स्वामी माना जाता है। ऐसी स्थिति में कमजोर उत्तराधिकारी को अक्सर हताश कर दिया जाता है, परंतु हम बताते हैं कि भू राजस्व संहिता की एक उप धारा, ऐसे उत्तराधिकारियों के हितों की रक्षा करती है।

### मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 की

### धारा 165 की उपधारा 05 की परिभाषा ??

जहाँ भूमि स्वामी की भूमि किसी न्यायालय की किसी डिक्री, आदेश के निष्पादन में, किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं बेची जाएगी जो ऐसे विक्रय के फलस्वरूप उतनी भूमि का हकदार हो जाएगा जो स्वयं उसके द्वारा, उसके परिवार द्वारा धारित भूमि यदि कोई हो तो। सरल हिंदी में रहे तो, पैतृक संपत्ति जो मृत स्वामी के विधिक प्रतिनिधि अर्थात् पुत्र, पुत्री, पत्नी को मिलने वाली हो, उसे यदि कोई मामा या चाचा बेच देता है तो ऐसा नामांतरण मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 165 की उपधारा 05 के अनुसार अवैध या शून्य घोषित कर दिया जाएगा। पीड़ित को मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 165 की उप धारा 5 के अंतर्गत अपना प्रकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

**Notice:** this is the copyright protected post. do not try to copy of this article)

### - लेखक -

बी.आर. अहिरवार

(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

## मुख्यमंत्री ने मंदसौर को दी 167 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात धनतेरस समृद्धि एवं स्वास्थ्य का है संगम : प्रधानमंत्री श्री मोदी



भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली से मध्यप्रदेश को 3 नर्सिंग मेडिकल और 5 नर्सिंग कॉलेज की सौगात दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश के नीमच, मंदसौर और सिवनी के मेडिकल कॉलेज वचुअली लोकार्पण एवं शिवपुरी, राजगढ़, रतलाम, धार और खण्डवा के शासकीय नर्सिंग कॉलेजों का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर के 100 बिस्तरिय अस्पताल के साथ एम्स भोपाल के कौटिल्य भवन प्रशासकीय खण्ड का वचुअली लोकार्पण भी किया। धनवंतरि जयंति पर मंदसौर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में 512 नवनि्युक्त आयुर्वेद चिकित्सकों को वचुअली नियुक्ति-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में प्रदेश के 81 लाख किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 1624 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई।

### ● गरीबों का जीवन बचाना हमारी पहली प्राथमिकता

### ● 81 लाख किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित

### ● 512 नवनि्युक्त आयुर्वेद चिकित्सकों को मिले नियुक्ति-पत्र

### ● मंदसौर-नीमच में होगी इंडस्ट्री कॉन्प्लेक्स

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर जिले में 167 करोड़ रुपये के 11 विकास कार्यों का भूमि-

### आयुर्वेद चिकित्सक 65 वर्ष तक दे सकेंगे शासकीय सेवाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही मंदसौर और नीमच में भी इंडस्ट्री कॉन्प्लेक्स का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर निर्माण होने से इस दिवाली को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की धनतेरस समृद्धि और स्वास्थ्य का संगम है। यह भारत की संस्कृति और जीवन के दर्शन का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद के प्रति बढ़ते आकर्षण और भारत की प्राचीन धरोहर के प्रतीक दुनिया की रुचि का प्रमाण है कि आज 150 से अधिक देशों में आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले दशक में देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नये अध्याय की शुरुआत देखी है। जिसने आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़ा गया है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान इस अध्याय का केन्द्र बिन्दु रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है क्योंकि एक राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से संबद्ध होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल, बीमारी का शीघ्र पता लगाना, जनता को निःशुल्क और सस्ती दवाईयाँ उपलब्ध कराना, छोटे-छोटे शहरों में डॉक्टरों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य सेवाओं के तकनीकी विस्तार पर सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश स्थापना के 69वें वर्ष को उत्साहपूर्वक मनाने राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन 30 अक्टूबर को प्रातः 9-45 बजे लाल पेड़ ग्राउंड में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा ध्वजारोहण से होगी। इसके बाद राष्ट्रगान होगा। समारोह में आर्मी उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा। समारोह में मध्यप्रदेश राज्य गान और मध्यप्रदेश के राज्यीय खेल मल्लखंब का प्रदर्शन भी किया जाएगा। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन के साथ बैंड की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

### सुगम संगीत की प्रस्तुति एक नवम्बर को

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को अपने राज्य की स्थापना का गौरवपूर्ण अनुभव कराने, वैभव और विविधता से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्यप्रदेश शासन द्वारा संस्कृति संचालनालय के संयोजन में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन कर रहा है।



ओर से

दीपावली एवं 1 नवंबर मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं समस्त युवा प्रदेश न्यूज़ नेटवर्क परिवार



# तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में मनाया जाता है

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले वैशाली गणराज्य के क्षत्रियकुंड में क्षत्रिय परिवार हुआ था। तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गये। 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ जिसके पश्चात् उन्होंने समवशरण में ज्ञान प्रसारित किया। 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई। जैन ग्रन्थों के अनुसार समय-2 पर धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है, भगवान महावीर वर्तमान अवसर्पिणी काल की चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर थे और हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय), ब्रह्मचर्य। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत महाव्रती सिद्धान्त दिए। महावीर के सर्वोदयी तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की सीमाएँ नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो। यही महावीर का जियो और जीने दो का सिद्धान्त है। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुणिक और चेटक भी शामिल थे। जैन समाज द्वारा हर साल उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूम धाम से मनाया जाता है। कार्तिक शुक्ल एकम को निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है।



## दीपावली पर भोपाल को 22 नवीन संजीवनी क्लीनिक की मिलेगी सौगात मिलेगा गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तारित करते हुए देते हुए 22 नए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक आगामी दिनों में शुरू किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नए संजीवनी क्लीनिक में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जा चुकी है। मेडिकल स्टाफ द्वारा अपनी संस्थाओं में ज्वाइनिंग भी दी जा चुकी है। साल के अंत तक 22 नए संजीवनी क्लिनिक प्रारंभ किया जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मूलभूत स्वास्थ्य सेवाएं घर के नजदीक उपलब्ध करवाने के लिए शुरू किए गए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक बहुत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। संजीवनी क्लिनिक की स्थापना में विधायकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं नगर निगम की भूमिका रही है। जहां एक ओर विधायकों का स्थल चिह्नकन में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा, वहीं नगर निगम द्वारा निर्माण कार्य करवाया गया तथा जिला कलेक्टर द्वारा इनकी मॉनिटरिंग की गई। इन नवीन केंद्रों में सभी मूलभूत स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की जा रही है। जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रशासन से कहा गया है कि इन केंद्रों के औपचारिक उद्घाटन की प्रतीक्षा न करते हुए सेवा प्रदायगी प्रारंभ की जाए, साथ ही एक-एक करके इनका लोकार्पण किया जाए ताकि नागरिकों को इनसे मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग शहरी क्षेत्रों में संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम के माध्यम से नए संजीवनी भवनों को तैयार करवाया गया है। यहां पर सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार जैसी बीमारियों के अलावा प्रसव पूर्व जांच, परिवार कल्याण सेवाएं, टीकाकरण सेवाएं, किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धजन स्वास्थ्य सेवाएं बाल्यकालीन रोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और संक्रामक रोगों की जांच की जा रही हैं। इन केंद्रों में 208 प्रकार की दवाइयां एवं 80 प्रकार की पैथोलॉजी जांच भी निःशुल्क उपलब्ध है। संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से मरीजों को अपने घर के पास ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं मिल पाए, इसके लिए ऑनकॉल स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की सेवाएं भी ली जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि भोपाल जिले में पहला संजीवनी क्लिनिक 7 दिसंबर 2019 को शुरू किया गया था। वर्तमान में भोपाल में 46 संजीवनी क्लीनिक क्रियाशील है। इनके माध्यम से साल 2023-24 में 452331 हितग्राहियों को सेवा प्रदान की गई थी। वर्ष 2024-25 में अब तक दो लाख से अधिक हितग्राहियों को सेवाएं दी जा चुकी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल ने बताया कि सभी 22 नवीन संजीवनी क्लीनिक में स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है। दवाइयां, उपकरण एवं अधिकतर संसाधन इन संस्थाओं में उपलब्ध करवा दिए गए हैं। कुछ और नवीन संजीवनी क्लीनिक का कार्य प्रगतिरत है। कार्य पूर्ण होने पर इन्हें इस साल के अंत तक प्रारंभ किया जाएगा।



## भारतीय सेना के बहादुर डॉग फैटम के सर्वोच्च बलिदान को नहीं भुलाया जा सकता

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच आठ घंटे तक चली गोलीबारी में भारतीय सेना का जाबांज डॉग फैटम शहीद हो गया। आतंकवादियों ने जम्मू शहर से लगभग 85 किलोमीटर दूर अखनूर खुर के बैटल एरिया में सेना के काफिले में शामिल एक एम्बुलेंस पर हमला कर दिया, जिसके बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जिसमें फैटम भी उनके साथ था। आतंकियों ने जब सेना के काफिले पर फायरिंग की तो फैटम ने दुश्मनों का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उसकी बहादुरी और वफादारी की हर कोई तारीफ कर रहा है। फैटम बेल्जियन मालिनोइस ब्रीड का कुत्ता था, जिसे विशेष रूप से असॉल्ट डॉग के रूप में ट्रेनिंग दी गई। अधिकारियों ने बताया कि उसे 12 अगस्त 2022 को तैनात किया गया था और उसे मेरठ के आरवीसी सेंटर से लाया गया था।



## भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने स्पैम कॉल और मैसेजिंग एप के दुरुपयोग रोकने के लिए किये कठोर उपाय



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने स्पैम कॉल के खतरे को रोकने और दुर्भावनापूर्ण धोखाधड़ी वाले संदेशों को अग्रोषित करने में बेईमान तत्वों द्वारा एसएमएस हेडर और सामग्री टेम्पलेट्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। इन उपायों का उद्देश्य उपभोक्ता हितों की रक्षा करना और एक स्वच्छ और सुरक्षित संदेश पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करना है। ट्राई ने 13 को निर्देश जारी किये हैं अगस्त 2024, यह अनिवार्य करते हुए कि नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रमोशनल वॉयस कॉल करने वाली किसी भी इकाई को सख्त परिणाम भुगतने होंगे। इसमें सभी दूरसंचार संसाधनों का कनेक्शन काटना, दो साल तक के लिए ब्लैकलिस्ट करना और ब्लैकलिस्टिंग अवधि के दौरान नए संसाधन आवंटन पर प्रतिबंध शामिल है। इन दिशाओं के जवाब में आठ सौ से अधिक संस्थाओं व्यक्तियों को काली सूची में डाल दिया गया है, और अद्वारह लाख से अधिक एसआईपी डीआईडी मोबाइल नंबर दूरसंचार संसाधनों को काट दिया गया है

जो वाणिज्यिक कॉल की प्रणालियों को साफ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्राई के बीस दिनकित निर्देशों के अनुपालन में अगस्त 2024, एक्सेस प्रदाताओं ने एक से संदेशों में यूआरएल, एपीके या ओटीटी लिंक की अनिवार्य श्रेतसूची लागू कर दी है। इस तरह, केवल सुरक्षित लिंक ही एसएमएस के माध्यम से प्राप्त हो सकते हैं, जो उपभोक्ताओं को हानिकारक या नकली वेबसाइटों, ऐप्स या अन्य ऑनलाइन खतरों से बचा सकते हैं। 1 से प्रभावी एसटी अक्टूबर 2024, 140x नंबरिंग श्रृंखला से शुरू होने वाली टेलीमार्केटिंग कॉल को सख्त निगरानी और नियंत्रण के लिए डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (ब्लॉकचेन) प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया है। एक्सेस प्रदाताओं ने प्राप्तकर्ताओं को संदेश भेजने में शामिल संस्थाओं (प्रेषक/प्रमुख संस्थाओं) की पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी समाधान लागू किए हैं। यह नई प्रणाली सुनिश्चित करती है कि प्रेषक से लेकर अंतिम डिलीवरी तक संदेश को संभालने वाले प्रत्येक व्यक्ति को ट्रैक किया जाए। इसमें प्रिंसिपल एंटीटी (पीई)-टेलीमार्केटर्स (टीएम) श्रृंखला को परिभाषित करना शामिल है।



## अनूपपुर जिले में पत्रकारिता: अवैध वसूली का बढ़ता दाग

चैतन्य मिश्रा

अनूपपुर। पत्रकारिता, जो कभी समाज का पथप्रदर्शक और स्वतंत्रता संग्राम में अन्याय के खिलाफ संघर्ष का हथियार मानी जाती थी, आज अनूपपुर जिले में अवैध वसूली और ब्लैकमेलिंग के कारण अपने मूल सिद्धांतों से भटकती नजर आ रही है। जिले में पत्रकारिता का स्तर गिरना न केवल समाज के लिए चिंताजनक है, बल्कि इस पेशे की ईमानदारी और नैतिकता पर भी सवाल खड़े करता है। आज अनूपपुर में ऐसे कई लोग हैं जो खुद को पत्रकार कहते



हैं, लेकिन जिनका पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से कोई वास्ता नहीं है। इन कथित पत्रकारों का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता के नाम पर अवैध वसूली करके निजी लाभ कमाना है। हाल ही में, कोतमा के एक पत्रकार को अवैध वसूली के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया, जो इस बात का प्रमाण है कि किस प्रकार से पत्रकारिता का दुरुपयोग किया जा रहा है। अनूपपुर में अचानक पत्रकारों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है, स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के अभाव में, जिले के कई समाचार पत्रों का अस्तित्व मात्र औपचारिकता बनकर रह गया है। इस स्थिति से निपटने के लिए यह

आवश्यक है कि जिले व प्रदेश के वरिष्ठ और अधिमन्य पत्रकार, प्रशासन और समाज के जागरूक लोग मिलकर विचार करें। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सच्चाई को सामने लाना और अन्यायपूर्ण कार्यों पर सवाल उठाना होना चाहिए, न कि अवैध तरीकों से लाभ कमाना। यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो पत्रकार कहलाने का सम्मान भी समाप्त हो जाएगा। अनूपपुर में पत्रकारिता का पतन इस पेशे के उद्देश्यों और नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। पत्रकारिता के वास्तविक सिद्धांतों को पुनः स्थापित करना और इसे अवैध गतिविधियों से दूर रखना सभी जागरूक नागरिकों का कर्तव्य है। ऐसा न करना समाज में न्याय और निष्पक्षता के लिए खतरा बन सकता है। अनूपपुर जिले में पत्रकारिता की स्थिति चिंताजनक है, जहाँ अवैध वसूली जैसे कृत्य एक महान पेशे को कलंकित कर रहे हैं। समाज के सभी हितधारकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे एकजुट हों और पत्रकारिता की अखंडता को बहाल करने के लिए निर्णायक कदम उठाएँ। ऐसा करने से ही पत्रकारिता अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर पाएगी और लोकतंत्र के एक सशक्त स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका निभा सकेगी।

## शासकीय राजस्व भूमि से लगातार हो रही हरे वृक्षों की कटाई

उक्त मामले से वन विभाग ने कार्यवाही हेतु राजस्व विभाग को लिखा पत्र



**कोतमा।** कोतमा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पकरिया में अवैध कटे सरई के पेड़ के संबंध में वन परिक्षेत्राधिकारी कोतमा के घटना संज्ञान में आने पर तत्काल वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा प्रस.कोतमा जे.डी.धावे डिप्टी रेंजर एवं बीटगार्ड उत्तम सिंह को घटना स्थल का निरीक्षण कर अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के पालन में प्रस.कोतमा द्वारा पटवारी हल्का लूल्हा टोला, सरपंच ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों को बुलाकर मौका स्थल निरीक्षण व सत्यापन किया गया। सत्यापन में कटाई स्थल वनक्षेत्र न होना पाया गया बल्कि शासकीय राजस्व भूमि खसरा नं. 34/1 होना पाया गया। कटाई स्थल राजस्व क्षेत्र होने पर प्रस.कोतमा एवं बीटगार्ड के प्रतिवेदन के

अनुसार वन परिक्षेत्राधिकारी कोतमा द्वारा उक्त घटना की जानकारी तहसीलदार कोतमा, अनुविभागीय अधिकारी कोतमा एवं कलेक्टर महोदय अनूपपुर को पत्राचार के माध्यम से प्रेषित कर अवगत कराया गया, जिसमें राजस्व विभाग के द्वारा कार्यवाही की गई है। ग्राम पकरिया में अवैध रूप से काटे गये सरई पेड़ स्थल शासकीय राजस्व भूमि होने पर म.प्र.भू राजस्व संहिता के अनुसार अवैध कटाई के रोकथाम हेतु कार्यवाही करने का अधिकार राजस्व विभाग को है क्योंकि उक्त स्थल वन क्षेत्र नहीं है जिस कारण वन विभाग के द्वारा कार्यवाही नहीं की जा सकती है। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार सूचना मिलने से अवैध परिवहन को

रोकने हेतु समय-समय पर वन परिक्षेत्र कोतमा एवं वन परिक्षेत्र केशबाही के अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा सतत गश्ती रात्रि वा दिन में की जाती है। इस प्रकार वन विभाग के द्वारा कटाई रोकने के लिये राजस्व विभाग को पत्राचार प्रेषित कर एवं अवैध परिवहन रोकने हेतु स्वयं प्रयास किया जा रहा है।

**इनका कहना है कि**

उक्त कटाई स्थल राजस्व विभाग की शासकीय भूमि है, जिस पर राजस्व विभाग ही कार्यवाही करेगी। जिसकी जानकारी हमने राजस्व विभाग के अधिकारियों को प्रदान कर दी है।

हरीश तिवारी

वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा

खुशियों की दास्ता

## नगर पालिका द्वारा श्याम सुन्दर से किसी भी प्रकार का नहीं लिया जा रहा टैक्स



राजू राय

शहडोल। धनतेरस और दीपावली के पर्व को दृष्टिगत रखते हुए संभागीय मुख्यालय शहडोल के झूला पुल के पास श्याम सुंदर द्वारा मूर्तियों के विक्रय हेतु दुकान लगाए हुए है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुसार नगर पालिका शहडोल द्वारा श्याम सुंदर से किसी भी प्रकार का टैक्स दीपावली पर्व के दौरान नहीं लिया गया। यह निर्णय दीपावली के उत्सव को सुगम

और प्रसन्नता भरा बनाने की दृष्टि से लिया गया है। ऐसे अवसरों पर छोटे छोटे व्यापारियों को सहयोग प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाना है ताकि वे बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं दे सकें। श्री श्याम सुंदर ने नगर में दुकान लगाने पर जो टैक्स नहीं लिया जा रहा इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि दीपावली के इस पर्व पर अपनी सेवाओं को और अधिक उत्साह और सेवा भावना के साथ प्रदान करेंगे।



## जन अधिकार मोर्चा के द्वारा हाटकचोरा में काली मंदिर के पास 1000 निःशुल्क दीया वितरण किया गया।

जन अधिकार मोर्चा के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली के शुभ अवसर पर हाटकचोरा के काली मंदिर के पास मिट्टी के 1000 दीपों का निःशुल्क वितरण किया गया जिसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को 11 दीप प्रदान किए गए यह पहल जन अधिकार मोर्चा के द्वारा चार वर्ष पहले शुरू की गई थी तब से प्रत्येक वर्ष जन अधिकार मोर्चा निःशुल्क दीप वितरण करता आ रहा है इस कार्यक्रम को करने का उद्देश्य स्वदेशी को अपनाना है और लोगों को यह संदेश देना है कि यह दीपों का त्यौहार है दीप जलाने से एक नई ऊर्जा का संचार जीवन में होता है। इस अवसर पर जन अधिकार मोर्चा के प्रदेश प्रभारी कर्मवीर सिंह जादौन, प्रदेश महासचिव विपिन तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि तिवारी, प्रदेश महासचिव दीप्ति तिवारी, बस्तर संभाग उपाध्यक्ष सुनीता शोरी, जिला सचिव आसमा खान एवं अन्य पदाधिकारी गण शामिल रहे।





## मध्यप्रदेश में बिजली खपत की दरों में कमी तथा सब्सिडी का दायरा बढ़ाए जाने के संबंध में मध्यप्रदेश परिसंघ ने मुख्यमंत्री एवं अपर सचिव ऊर्जा विभाग को लिखा पत्र



मीडिया रिपोर्ट में परिसंघ के संयोजक इंजीनियर राहुल अहिरवार द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में हम आधुनिक युग में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निरंतर बढ़ते जा रहे हैं, जो मानव की दैनिक आवश्यकता बन चुके हैं, एकल परिवार के लिए 200 यूनिट बिजली खपत आम बात हो चुकी है, जिसमें इंजीनियर राहुल अहिरवार ने माननीय मुख्यमंत्री एवं अपर-संयोजक सचिव ऊर्जा विभाग को पत्र द्वारा लेख किया कि मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों को 200 यूनिट बिजली खपत का 200 चार्ज लिया जाए एवं सब्सिडी का दायरा 150 यूनिट से बढ़ा कर 300 यूनिट तक किया जाए, तथा किसान भाईयों के लिए भी बिजली खपत की दरों को सस्ता किया जाए वर्तमान समय में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसान भाईयों की फसल प्रति वर्ष निरंतर खराब होती आ रही है, किसान भाई उत्पादन के लिए जितनी पूंजी लगाता है, उत्पादन के पश्चात किसान भाईयों की उतनी पूंजी के बराबर फसल भी नहीं निकल पाती, तथा देखा जाए अन्य राज्यों में भी बिजली खपत की दरों में कमी है, जिसमें परिसंघ ने मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों की समस्याओं को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन से अनुरोध किया कि परिसंघ के पत्र पर कार्यवाही करके मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों को 200 यूनिट के लिए 200 चार्ज लिया जाए तथा सब्सिडी का दायरा 300 यूनिट तक रखा जाए।

## शासकीय विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मूल अधिकारों पर आयोजित कार्यशाला में जाना मौलिक अधिकारों का महत्व

बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के तत्वाधान में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के छात्रों ने मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तृत एवं महत्वपूर्ण जानकारीयां हासिल की। मौलिक अधिकारों पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अविनाश जैन ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के अंतर्गत भाग तीन में आने वाले विभिन्न मौलिक अधिकारों पर प्रकाश डाला एवं साथ ही साथ अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों का भी भारतीय नागरिक के लिए बहुत महत्व है यह भी समझाया। कार्यक्रम में श्रीमति शशि सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री अनंत तिवारी डिफेंस कार्डसिल जिला



विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग ले रहे छात्रों का एक समूह।

अवगत कराया। विधि के विद्यार्थियों हेतु यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी

रही। निश्चित ही भविष्य में विद्यार्थी इसका लाभ लेंगे।

## मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्थानीय विक्रेता से मिट्टी के दीपक खरीद कर दिया 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश

त्यौहार पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीद कर उन्हें प्रोत्साहित करें- मंत्री श्री सारंग



भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को धनतेरस के शुभ अवसर पर नरेला विधानसभा अंतर्गत छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर के समीप स्थानीय कारीगर से दीपक खरीदे और डिजिटल पेमेंट यूपीआई के माध्यम से भुगतान

किया। इस दौरान मंत्री श्री सारंग ने 'वोकल फॉर लोकल' के लिये नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज देशवासियों में 'स्वदेशी' की भावना जागृत हुई है, वोकल फॉर लोकल से स्थानीय कारीगरों को नई पहचान मिली है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना त्यौहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए अपनाई जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने नागरिकों

को दीपावली की शुभकामनाएं भी दी। मंत्री श्री सारंग ने लाला लाजपत राय कॉलोनी में सड़क निर्माण व सौंदर्यीकरण का किया भूमिपूजन: मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत लाला लाजपत राय कॉलोनी के रहवासियों को विकास कार्यों की सौगात देते हुए सड़क निर्माण कार्य व सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन किया। नागरिकों ने सड़क के नवोनीकरण के लिये मंत्री श्री सारंग के समक्ष अपनी समस्या रखी। जिस पर मंगलवार को मंत्री श्री सारंग ने सड़क का निरीक्षण किया, इसके साथ ही उन्होंने तत्काल सड़क निर्माण कार्य व सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन भी किया। इस सौगात के लिये रहवासियों ने मंत्री श्री सारंग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों को धनतेरस व दीपोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित की।

# लद्दाख एलएसी पर दीवाली के मौके पर भारतीय और चीनी सैनिकों ने एक दूसरे को बांटी मिठाइयां



### रिपोर्ट- राजू राय

लगभग साढ़े चार साल बाद भारतीय और चीनी सैनिकों ने गुरुवार को दिवाली पर लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कई सीमा चौकियों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। बता दें कि यह भारत और चीन द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में एलएसी पर सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया शुरू करने के बाद पहला मौका आया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रक्रिया पूरी होने के करीब है। रक्षा

मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि भारतीय और चीनी सेनाओं ने दिवाली पर एलएसी के साथ कई सीमा बिंदुओं पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। रक्षा सूत्रों ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली थी, जिसके बाद दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे द्वारा पदों का सत्यापन और बुनियादी ढांचे को नष्ट करना शुरू कर दिया है साथ ही डेपसांग मैदानों और डेमचोक में अस्थायी संरचनाओं को नष्ट करने का काम पूरा हो गया है और दोनों पक्षों के लगभग सभी स्थानों पर सत्यापन

प्रक्रिया चल रही है। सत्यापन प्रक्रिया भौतिक रूप से और साथ ही मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग करके की जा रही थी। पीछे हटने की प्रक्रिया के तहत दोनों पक्षों के सैनिकों को पीछे के स्थानों पर गहराई में तैनात करने के लिए हटा लिया गया है। गश्त, जो अप्रैल 2020 से अब तक दुर्गम स्थानों पर की जाएगी, लगभग 10 से 15 सैनिकों की संख्या वाले सैनिकों की छोटी पार्टियों द्वारा की जाएगी। साढ़े चार साल पहले चीनी घुसपैठ के बाद पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध चल रहा है।

### दाग़

क्या तुमने?  
हां,क्या तुमने कभी कागज़ जलाया है?  
बिना दियासलाई के?  
क्या तुमने कागज़ को दीपक, मोमबत्ती, अगरबत्ती या लाइटर से सुलगाया है?  
क्या तुमने यह अजूबा करके देखा है?  
जाओ, उस कागज़ को जला दो।  
जाओ, उस कागज़ को जलाना जिसमे दर्द छुपा हो।  
जाओ, उस कागज़ को ध्यान से जलता देखो।  
जाओ , उस कागज़ से तड़पना जूझना सीखो।

जलते वक्त,तुम पाओगे एक बिंदू ऐसा भी  
जब कागज़ जलने वाला होता है मगर जला होता नही,  
सैंकड़ों छोटे अग्नि कणों को अपने में केद्रित किया हुआ।  
जल जाने को बेताब है वो,  
मिट जाने को तैयार है वो,  
राख हो जाने को बैठा है वो।

तभी,तुम आग हटा दो!  
उस बेचैन कागज़ को देखो !  
कहीं गहरे-सुनहरे धब्बे!  
कहीं घोर-काले धब्बे!  
वो जला नही है, मगर जला भी है !

तुमने समझा आग हटाने से,बचा लोगे उसको?  
वो बचा तो है,पर क्या तुम लिख पाओगे उस पर?  
जल जाता अगर ,तो नाज़ होता उसको खुद पर  
रेज़ा-रेज़ा हालत में खुश होता वो,  
खुद से पहली बार प्यार करता वो,  
पर अब है दागों के साथ तन्हा वो ।

क्या वो कुछ कर पाएगा?  
क्या वो खुश रह पाएगा?  
क्या कभी तुम्हारी हालत हुई है यह?  
क्या तुमने दर्द महसूस किया है यह?

क्या तुमने?



अथर्व दीक्षित



# सड़क के दोनो तरफ झाड़ियो से दुर्घटनाओ का अंदेशा

## प्रशासन को करानी होगी झाड़ियो की कटाई

पेड़ों की डालियां तथा मार्ग के बगल में खरपतवार आदि सड़क पर आवागमन वाले रास्ते पर आ पहुंची है।



है। नगर से बम्होरी, उदयपुरा, सागर

तथा गैरतगंज जाने वाले मार्ग जो कि

स्टेट हाईवे है। इन मार्गों के दोनो तरफ ऊंची ऊंची झाड़ियां तथा खरपतवार उग आए हैं। पेड़ों की डालियां तथा मार्ग के बगल में खरपतवार आदि सड़क पर आवागमन वाले रास्ते पर आ पहुंची है। सूखे पेड़ों की डालियां खरपतवार और कांटेदार पेड़ों की सड़क तक आई टहनियां क्रासिंग के दौरान आने जाने वाले वाहन चालकों से टकराती हैं। जिससे दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। गौरतलब है दोनो ही स्टेट हाईवे मार्ग से लगातार दो व चार पहिया वाहनों के साथ ही यात्री बसों, रेत से भरे डंपर, बड़े बड़े कंटेनर, ट्रक सहित अन्य वाहनो का आवागमन लगा रहता

है। सड़क मार्ग के दोनो तरफ की झाड़ियो से अकसर ही हादसा होने की आशंका बनी रहती है। सड़क के दोनो तरफ की झाड़ियो तथा खरपतवार की बीते कई सालो से सफाई नहीं कराई गई है। स्टेट हाईवे मार्ग पर अकसर ही अंधी रफ्तार से वाहनो की आवाजाही होती है। लेकिन झांकियो के चलते हादसे की आशंका बनी रहती है। नागरिको ने संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियो से सड़क के दोनो तरफ की झाड़ियों तथा खरपतवार की सफाई कराने की मांग की है ताकि हादसे की आशंका को समाप्त किया जा सके।

## इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन के लिए 3000 पेड़ काटने की तैयारी शुरू

### एमपीआरडीसी ने शुरू की अनुमति लेने की प्रक्रिया

भोपाल। इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन रोड प्रोजेक्ट के लिए 3000 पेड़ काटने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही चौड़ीकरण में बाधक बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर की शिफ्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि नवंबर-दिसंबर से ये दोनों काम शुरू हो जाएंगे। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने ठेका लेने वाली एजेंसी से पेड़ों की गिनती का काम पूरा करवा लिया है। अब संबंधित कलेक्टरों के माध्यम से पेड़ काटने की औपचारिक अनुमति मांगी गई है। यही प्रक्रिया बिजली के



खंभों और ट्रांसफॉर्मर के लिए भी हो रही है। 55 किलोमीटर लंबे इस हाईवे को इंदौर के अरबिंदो अस्पताल से उज्जैन के हरिफाटक ब्रिज तक बनाया जाना है। लगभग 700 करोड़ रुपये के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का काम

सिंहस्थ से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। दावा किया गया है कि वर्तमान फोर लेन रोड पर इंदौर से उज्जैन जाने में 60 से 70 मिनट का समय लगता है। सिक्स लेन चौड़ा रोड बनने के बाद यह समय 40-45 मिनट रह जाएगा। पेड़ काटने में कोई अड़चन नहीं एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक राकेश जैन ने अग्निबाण को बताया कि सिक्स लेन रोड के लिए बाधक 3000 पेड़ काटने में कोई दिक्कत नहीं है। ये पेड़ एमपीआरडीसी की जमीन पर लगे हैं और इन्हें एमपीआरडीसी ने ही लगाया है।

## पांच माह में 6.50 लाख वोटर्स के नाम हटे

### प्रदेश में अभी 5.60 करोड़ वोटर, 40 मतदान केंद्र खत्म, 532 नए बनाए गए

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह ने कहा है कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद छह लाख 50 हजार 740 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इसमें दूसरे राज्यों या शहरों में शिफ्ट होने वाले और ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। इसके बाद अब 228 विधानसभा सीट पर मतदाताओं से नाम जुड़वाने, नाम कटवाने और शिफ्ट हो चुके या मृत हो चुके वोटर्स के नाम हटवाने का काम शुरू हुआ है। इसके लिए राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने के लिए कहा गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चूंकि विजयपुर और बुधनी विधानसभा सीट पर चुनाव हो रहे हैं। इसलिए इन



दोनों सीट पर अभी मतदाता सूची संशोधन का काम नहीं हो रहा है। प्रदेश के 230 में से 228 विधानसभा क्षेत्रों में 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटवाने और शिफ्ट होने की स्थिति

में संशोधन की कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान बीएलओ आफ लाइन आवेदन भी लेंगे। आनलाइन आवेदन लेने की व्यवस्था भी चुनाव आयोग द्वारा लागू रखी गई है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6

## गृह तहसील में पदस्थ नहीं होंगे पटवारी और आरआई

### दीपावली पर नहीं दी पांच हजार 300 रुपए भत्ता की राशि

पटवारी संघ के अध्यक्ष सिंह ने कहा कि सरकार पटवारियों की पदस्थापना की जानकारी मांग रही है लेकिन उन्हें मिलने वाली राशि में कटौती की जा रही है। इसी माह दीपावली के पहले वेतन तो दे दिया गया है लेकिन हर माह अलग-अलग भत्तों के रूप में दी जाने वाली 5300 रुपये की रकम नहीं दी गई है। यह राशि पटवारियों को स्टेशनरी, फिक्स डीए, एग्रीस्टेट के रूप में दी जाती है। बताया जा रहा है कि बजट नहीं होने से भत्ते की राशि का भुगतान नहीं किया गया है।



भोपाल। मप्र में अब कोई भी भी पटवारी उसी तहसील में पदस्थ नहीं रहेंगे जिस तहसील में उनका पैतृक निवास है। ऐसी ही स्थिति प्रदेश में पदस्थ राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षकों के मामले में भी प्रभावी होगी। इसके लिए आयुक्त भू अभिलेख ने सभी कलेक्टर को पत्र लिखा है। अब तक करीब 50 फीसदी पटवारी, आरआई गृह तहसील में पदस्थ है। आदेश के बाद प्रदेश में

पदस्थ करीब 25 हजार पटवारियों और 1300 राजस्व निरीक्षकों के बीच खलबली मच गई है। आयुक्त भू-अभिलेख ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर कहा है कि पटवारी के गृह तहसील और राजस्व निरीक्षकों के गृह अनुविभाग में पदस्थ होने की जानकारी भेजें। इसमें कहा है कि पटवारी और राजस्व निरीक्षकों को गृह तहसील और गृह अनुविभाग में पदस्थ नहीं करने के शासन के निर्देश हैं। जिलों में कलेक्टरों द्वारा अगर इसका पालन किया गया है तो इसका प्रमाण पत्र दिया जाए और अगर पालन नहीं किया गया है तो ऐसे पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों की सूची तैयार कर आयुक्त भू अभिलेख कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। पटवारी संघ अध्यक्ष बोले, कोई आदेश ही जारी नहीं इस मामले में एमपी पटवारी संघ के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह का कहना है

## सरसों का रकबा घटा, तेल की कीमतें बढ़ेंगी

### डीएपी नहीं मिलने से बुवाई प्रभावित

भोपाल। प्रदेश में इस बार अच्छी बारिश के बावजूद डीएपी खाद की कमी से समय पर किसानों की बुवाई नहीं हो पा रही है। प्रदेश में रबी फसलों की बोनी 142 लाख हेक्टेयर में होती है। इसमें सरसों 13 लाख हेक्टेयर एवं चने की बुवाई 21 लाख हेक्टेयर में की जाती है जो अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में शुरू होती है इसमें आधार खाद के रूप में डीएपी का प्रयोग किया जाता है।

जिससे उसकी मांग तेजी से बढ़ती है। रबी में लगभग 7 लाख टन डीएपी की मांग होती है, परन्तु प्रदेश में डीएपी की सप्लाई मांग के विरुद्ध कम हुई है। इसके चलते किसानों को एक बार फिर खाद की कमी से खासकर सरसों की बुवाई से वंचित होना पड़ा है। अकेले भिंड जिले में डीएपी नहीं मिलने के कारण सरसों की बोवनी का रकबा पिछली बार से 25 हजार हेक्टेयर घट गई है।

# राज्योत्सव और दीपोत्सव साथ में, ये गर्व की बात

### भारत किसी की जमीन नहीं छीनता

सीएम ने कहा कि भारत किसी का हक नहीं मारता, किसी की जमीन पर कब्जा नहीं करता। दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने सदैव अपनी इन मर्यादाओं का ध्यान रखा। मानवता में अपनी भूमिका निभाई है। तीनों सेनाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अपनी दक्षता सिद्ध की है। इस गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लगातार ध्यान दिया जा रहा है।



भोपाल। भोपाल में सीएम डॉ मोहन यादव ने मप्र स्थापना दिवस के 5 दिवसीय राज्योत्सव की शुरुआत की। कार्यक्रम लाल परेड ग्राउंड में आयोजित हुआ। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि 1 नवंबर को मप्र का स्थापना दिवस है। आठ करोड़

से ज्यादा देवतुल्य जनता को इस दिवस की बधाई। इतना सुखद संयोग है एक तरफ दीपोत्सव चल रहा है दूसरी तरफ राज्योत्सव चल रहा है। ये हमारा सौभाग्य है। दीपोत्सव की बेला में हम 69वां राज्योत्सव मना रहे हैं। 5 दिनों तक

चलने वाले इस उत्सव ने हमारे आनंद की सीमाओं को और ज्यादा बढ़ा दिया है। अगले चार दिनों तक लगातार कार्यक्रम चलेंगे। मलखंब प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों की सीएम ने तारीफ की। सीएम ने कहा कि मप्र देश की फूड बास्केट है जहां सभी प्रकार के अन्न धन से संपन्न हमारी धरती है। हमारे साथ सोयाबीन प्रदेश का गौरव है। ये हीरा प्रदेश है तो बाघ का प्रदेश है। बिजली प्रदेश है। अब नया गौरव चीता स्टेट का जुड़ा है। ऐसी कई उपमाओं से मप्र गौरवान्वित होता है। सीएम ने इस मौके पर आर्मी इक्विपमेंट्स की प्रदर्शनी को भी देखा। इसी दौरान सीएम आर्मी के टैंक अर्जुन में उतरे और उन्होंने आर्मी अफसरों से टैंक संचालन और उसकी खूबियां समझीं। उन्होंने आर्टिलरी गन,

मॉडर्न टेक्नोलॉजी के रोबोटिक उपकरण देखे। कार्यक्रम में सीएस अनुराग जैन, डीजीपी सुधीर सक्सेना, एसीएस संजय दुबे, राजेश राजौरा, मंत्री कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी मौजूद थे। 500 साल बाद अयोध्या में आनंद आया सीएम ने कहा कि मप्र की सरकार के गठन के साथ हमें यह मौका मिला है कि हमारा राज्योत्सव दीपोत्सव के साथ मनना चाहिए। 500 साल के गौरवशाली इतिहास का आज क्षण है। जब मप्र में हम यहां राज्योत्सव मना रहे हैं। और अयोध्या में दो हजार साल पहले जो विराट मंदिर की नींव सम्राट विक्रमादित्य द्वारा रखवाई गई थी। आताताईयों ने हमारे उस भव्य 84 काले कसौटी के खंबे वाला मंदिर ध्वस्त किया था।

### मप्र गान के दौरान सीएम और अफसर खड़े नजर आए

करीब नौ महीने पहले मध्यप्रदेश सिविल सेवा परीक्षा-2019 एवं 2020 में चयनित 559 अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव ने मप्र गान के दौरान खड़े होने की परंपरा को खुद बंद कर दिया था। लेकिन, आज लाल परेड ग्राउंड में मध्यप्रदेश गान के दौरान सीएम डॉ मोहन यादव सहित तमाम नेता और अधिकारी खड़े नजर आए।



# अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट करियर खत्म करने के लिए कौन है जिम्मेदार: हरभजन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले 2 मैचों में भारतीय टीम को हार मिली और टीम ने सीरीज भी गंवा दी। इस टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरी सामने आई। बेंगलुरु में तेज गेंदबाजों वाली पिच पर टीम महज 46 रन पर ढेर हो गई और पुणे की टर्नर पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के पास मिचेल सैंटनर का कोई जवाब नहीं था। भारतीय टीम घर में पिछले 12 साल से अजेय थी, लेकिन ये सिलसिला भी टूट गया। भारत ने इन 12 साल में जो जीत मिली थी वो स्पिनर्स के दम पर ही मिली, लेकिन कीवी टीम के खिलाफ हमारे बल्लेबाज भी स्पिनर के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने खराब टर्न तैयार करने के लिए मैनेजमेंट पर निशाना साधा और कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसे विकेटों पर खेलकर अपना आत्मविश्वास खो दिया है। हरभजन ने अजिंक्य रहाणे का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की पिचों के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। टर्बनेटर भज्जी ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि अगर आप पिछले दशक के ट्रेड को देखें तो हम पिछले एक दशक से ज्यादातर टर्निंग पिचों पर खेल रहे हैं। इस उम्मीद के साथ खी हम टॉस जीतेंगे, 300 रन बनाएंगे और गेम पर अपना नियंत्रण रखेंगे।



उन्होंने ये कहा कि बगैर ये जाने की हमारे पास टर्निंग पिच पर बल्लेबाजी करने की क्षमता है या नहीं, हम हार के कगार पर हैं या नहीं हम स्पिन पिच तैयार करने में लगे रहे। सच्चाई ये है कि हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलते हुए अपना आत्मविश्वास खो दिया है। उसके सबसे बड़ा उदाहरण अजिंक्य रहाणे हैं जो बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इस तरह की पिचों की वजह से ही उनका करियर प्रभावित हुआ। हरभजन सिंह ने बताया कि कैसे बल्लेबाज पहले दिन से ही टर्नर वाली पिचों पर खेलने के बाद अपना आत्मविश्वास खो देते हैं, उन्होंने बताया कि विदेशी दौरों पर यह बल्लेबाजों की मानसिकता को कैसे प्रभावित करता है भज्जी ने कहा कि हम हमेशा इस बात पर अड़े रहते हैं कि वे

(स्थल देश) भी अपनी जरूरतों के हिसाब से पिच तैयार करते हैं, लेकिन वे ऐसी पिचें नहीं हैं जहाँ आप बल्लेबाजी भी नहीं कर सकते। समय के साथ उन पिचों पर स्वाभाविक रूप से टूट-फूट होती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर आपको नहीं पता कि कौन सी पिच टर्न लेगी तो आप हमेशा इस संदेह से जुड़ते रहते हैं कि आक्रमण करें या बचाव करें। यहां तक कि विराट कोहली ने भी पिछले कुछ साल में विदेशों में अच्छा प्रदर्शन किया है, जहाँ गेंद बल्ले पर आती है। अब इन पिचों पर आपके तीन खराब घरेलू टेस्ट मैच हैं, लेकिन चयनकर्ता जानते हैं कि आप एक अच्छे खिलाड़ी हैं और आपको विदेशी दौरों पर ले जाते हैं, लेकिन तब तक आपके पास रन नहीं होने से आपकी मानसिकता पर असर पड़ना शुरू हो जाता है।

## भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने क्रिकेट फैस और बीसीसीआई से माफी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने प्रशंसकों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी मांगी है क्योंकि बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि वह अभी तक मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। शमी ने सर्जरी करवाने के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना 'रिहैबिलिटेशन पूरा किया। लेकिन उनके घुटनों में सूजन के कारण उनकी वापसी की योजना में रूकावट आई। हालांकि शमी ने हाल में घोषणा की थी कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। शमी ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रेनिंग का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि वह जल्द ही वापसी करेंगे।

इस 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, 'मैं प्रयास कर रहा हूँ और दिन-प्रतिदिन अपनी गेंदबाजी फिटनेस में सुधार कर रहा हूँ। मैच के लिए तैयार होने और घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से भी माफी मांगता हूँ। लेकिन बहुत जल्द मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हूँ, आप सभी को प्यार।

शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है। उम्मीद है कि वह नवंबर के पहले सप्ताह में कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के अगले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया।

## अफगानिस्तान टीम ने पहला टूर्नामेंट जीता

इमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका को हराया, किसी भी फॉर्मेट या ऐज ग्रुप में पहला खिताब



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान-ए ने पहली बार इमर्जिंग एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को अल अमीरात स्टेडियम में खेले गए फाइनल में श्रीलंका-ए को 7 विकेट से हराया। अफगानिस्तान क्रिकेट की यह ऐतिहासिक जीत है। टीम का क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट या ऐज ग्रुप टूर्नामेंट में यह पहला खिताब है। अफगानिस्तान-ए की टीम ने साल 2017 और 2019 में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इस बार वह पहली बार फाइनल में पहुंचे और खिताब भी जीत लिया।

मैच में श्रीलंका के कप्तान नुवानिंदु फर्नांडो ने

टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले खेलते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन बनाए और अफगानिस्तान की टीम को जीत के लिए 134 रन का टारगेट दिया। जवाब में अफगानिस्तान ने 18.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट के सभी 5 मैचों में अर्धशतक लगाए।

अफगानिस्तान ने पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती है। टीम ने एमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया। काबुल में बड़ी संख्या में फैस एकत्रित हुए और जीत का जश्न मनाया। काबुल के एक चौराहे में देर रात तक सेलिब्रेशन चलता रहा। सेदिकुल्लाह की नॉटआउट हाफ सेंचुरी अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल नाबाद 55 रन बनाए। करीम जनत ने 33 रन की पारी खेली। मोहम्मद इशाक ने नाबाद 16 रन बनाए। सहान अराचिगे, दुशान हेमंथा और ईशान मलिंगा को 1-1 विकेट मिला। सहान ने नाबाद 64 रन बनाए श्रीलंका-ए की शुरुआत काफी खराब रही और इस टीम के 4 विकेट सिर्फ 15 रन के स्कोर पर गिर गए। यहां से सहान अराचिगे ने टीम के लिए अहम पारी खेली। उन्होंने अर्धशतक लगाया। वे 47 बॉल पर 64 रन बनाए। पवन रत्ननायके ने 20 रन का योगदान दिया। निमेश विमुक्ति ने भी 23 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान-ए के लिए बिलाल सामी ने 3 जबकि अल्लाह गजनफर ने 2 सफलता हासिल की।

## अरमान भाटिया और हर्ष मेहता ने पुरुष युगल खिताब जीता, रोमैन-मिचेल को 2-0 से दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में आयोजित पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स के प्रो(ओपन) पुरुष युगल के फाइनल मुकाबले में भारत



को अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी को 11-3, 11-2 के अंतर से सीधे गेम में 2-0 के अंतर से मात देकर खिताब

अपने नाम कर लिया। भारत के अरमान भाटिया तीन वर्ग के फाइनल में पहुंचे थे और वो तीनों में खिताबी जीत हासिल करने में सफल रहे। अरमान भाटिया इंडिया मास्टर्स 2024 के असली स्टार बनकर उभरे। उन्होंने पुरुष एकल और मिक्स्ट डबल्स खिताब भी अपने नाम किए। भारत के अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने पुरुषों के युगल मुकाबले में अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले गेम में जल्दी ही 5-2 की बढ़त बना ली। धीरे-धीरे ये बढ़त 10-2 की हो गई और अंत में थोड़ी मशक्कत के बाद 11-3 से पहला गेम अपने नाम करके मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

## पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान संभालेगा नया कप्तान



मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम में अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में नया कप्तान होगा, क्योंकि कई मुख्य खिलाड़ी भारत के साथ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी में जुटे हैं। सीरीज के शेड्यूल में टकराव के कारण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने टी20 टीम के लिए नए नेतृत्व का चुनाव किया है। मिशेल मार्श की गैरमौजूदगी में जोश इंग्लिस, एडम जम्पा, या मैट शॉर्ट में से किसी को कप्तान बनाया जा सकता है। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट खिलाड़ियों, जैसे कि मार्श, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के न होने से टीम के नए खिलाड़ियों के पास नेतृत्व संभालने का मौका है। ब्रिस्बेन, सिडनी और होबार्ट में होने वाले मैचों के लिए चुनी गई 13 खिलाड़ियों की टीम में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने की कोशिश करेंगे। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड को अस्थाई कप्तान की नियुक्ति को मंजूरी देनी होगी।

टीम के कोच आंद्रे बोरोवेक होंगे, जिन्होंने पिछले साल भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में भी इसी तरह की टीम का नेतृत्व किया था। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड और उनके सहायक कोच माइकल डी वेनुटो और डैन वेटोरी पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और फिर टेस्ट मैचों पर ध्यान देंगे। चयन प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, यह खासतौर पर उत्साहजनक है कि जेवियर, स्पेंसर और नाथन राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। यह उनके लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का एक और मौका है।

टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और नाथन एलिस भी शामिल होंगे, जो चोट के कारण यूके दौरे में नहीं खेल पाए थे। स्पेंसर ने हाल ही में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है, जबकि बार्टलेट और एलिस अभी चोट से पूरी तरह उबर रहे हैं। इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों जैसे कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कूपर कोनॉली और सीन एबॉट को मौका मिलेगा, जबकि मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी को भी भूमिकाओं में देखा जाएगा।

## पेरिस ओलंपिक में निराशा के बाद आसान नहीं होगी टॉप में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक में वह सफलता हासिल नहीं हुई जिसकी उनसे उम्मीद की गई थी। कई दावेदार मेडल हासिल नहीं कर सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सरकार ने अपनी स्कीम में भी बदलाव का फैसला किया है। खिलाड़ियों की हर डिमांड को नहीं माना जाएगा। इसके लिए बनाए गए नियम सख्त किए जाएंगे। भारतीय सरकार की (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के तहत खिलाड़ियों को आर्थिक तौर पर पूरा सहयोग मिलता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस ओलंपिक के बाद अब खिलाड़ियों के लिए इस लिस्ट का हिस्सा बनना आसान नहीं होगा। इस स्कीम में शामिल होने के लिए तय किए गए मानकों का स्तर बढ़ाया जाएगा। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बैठक में इस बारे में चर्चा की गई और फैसला लिया गया कि अब स्कीम



में शामिल खिलाड़ियों की संख्या कम की जाएगी। टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक के बीच टॉप्स के तहत 72 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यह पैसा ट्रेनिंग प्लान, जूते, सनग्लास, स्पीड कैमरा, कपड़े, खाना और फूड सप्लायमेंट पर खर्च किया गया था। भारतीय खिलाड़ी पेरिस से सिर्फ छह मेडल लेकर लौटे जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज शामिल थे जबकि उम्मीद की जा रही थी कि इस बार

संख्या दहाई का आंकड़ा छू लेगी।

इस समय 300 ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें इस स्कीम के कारण मदद मिलती है। एमओसी अब इस संख्या को आधा करने वाला है। फंडिंग की कमी को लेकर बात नहीं हुई। खिलाड़ियों को अब इस स्कीम में सिर्फ तब हिस्सा बनाया जाएगा जब वह मेडल के लिए चैलेंज दे पाएंगे। हालांकि कमेटी में शामिल कई पूर्व खिलाड़ी इससे सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि ऐसा होने पर कई खिलाड़ी बाहर हो जाएंगे। 2028 ओलंपिक साइकिल के लिए जिन खिलाड़ियों को स्कीम में शामिल किया जाएगा उनकी मेडल के लिए जवाबदेही भी होगी। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक कई खिलाड़ियों ने अब तक अपने पुराने बिल नहीं दिए हैं जिसके कारण अब तक 10 करोड़ रुपए सेटल नहीं हो पाए हैं। रिटायर हो चुके खिलाड़ियों ने भी अपनी एक्सपेंस शीट नहीं दी है।



# बीच सड़क युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार, वीडियो वायरल

**मधुबनी।** मधुबनी में रविवार को दिनदहाड़े एक युवक को बाइक सवार बदमाशों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। इस हमले में युवक के चेहरे और सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल युवक का नाम बबलू मंडल है। घटना नगर थाना के वासन स्कूल के पास की है। घायल बबलू के मुताबिक, बाइक सवार युवकों ने साइड में खड़ी उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी। जब बबलू ने टोका तो बाइक सवार युवक उसके साथ मारपीट करने लगे। वारदात के दौरान बदमाशों ने बबलू को करीब 7 बार चाकू मारा। हमले के दौरान पर मौके पर भीड़ इकट्ठा थी, लेकिन किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं। बदमाश उस पर



लगातार हमला करते रहे। पीड़ित बबलू मंडल ने बताया, मैं वासन स्कूल के सामने अपना कार रोककर खड़ा था। तभी पीछे से दो बाइक सवार युवक तेजी से आए और ट्रक को ओवरटेक करते हुए उनकी गाड़ी से टकरा गए। जिसके बाद मैंने उनसे गाड़ी को हुए नुकसान की भरपाई के लिए पैसे मांगे तो,

सभी ने पैसे देने से इनकार कर दिया और फिर मेरे साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद उन्होंने अपने एक और साथी को बुलाया और फिर तीनों ने मिलकर मुझे मारने लगे। इसी दौरान एक युवक चाकू मेरे सिर चेहरे के पास मारने लगा। जिसके बाद मैं नीचे गिर गया। उसके बाद तीनों वहां से फरार हो गए। नगर थाना अध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने बताया, घटना की जानकारी मिलने के बाद तीनों युवकों को पकड़कर थाने लाया गया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान विश्वास मिश्रा (22), वैभव मिश्रा (21), और शनि बारी (20) के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। फिलहाल पीड़ित युवक की ओर से अभी कोई आवेदन नहीं मिला है।

# पिता की हवस का शिकार हुई 16 साल की बेटा, आपबीती सुनकर पुलिस भी हैरान

**सहारनपुर।** देश में नवजात बच्चियों से लेकर बूढ़ी महिलाओं तक के रेप के मामले आए दिन आते हैं। कई मामलों में परिवार के अंदर रहते हुए भी वह सुरक्षित नहीं होतीं। हाल में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से ऐसा ही भयानक मामला सामने आया है। यहां एक एक 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ कई बार दुष्कर्म हुआ। हैरानी की बात है कि लड़की के साथ दरिंदगी करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका अपना पिता था।



लड़की ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई तो ये मामला सामने आया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि लड़की की मां की एक दशक पहले मौत हो गई थी। गुरुवार को पीड़िता थाने पहुंची और उसने आरोप लगाया कि उसके पिता ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। जब वह विरोध करती थी, तो वह उसके साथ मारपीट करता था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने

घटना के बारे में अपने परिजनों को बताया था। इसके बाद पंचायत ने उसके पिता को चेतावनी दी थी। लेकिन वह फिर भी नहीं रुका और उसने उसके साथ बलात्कार करना जारी रखा। लड़की की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई और

पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया। जैन ने कहा, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। बता दें कि ये कोई अपने तरह का पहला मामला नहीं है। ऐसे मामले पहले भी आते रहे हैं। बीते सितंबर माह में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से रेप का एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया था। जहां एक दो नाबालिग लड़कियों को उनका सौतेला पिता अपनी हवस का शिकार बना रहा था। इस मामले की जानकारी होने पर आरोपी की पत्नी ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

## गे एप्लीकेशन से रिलेशन बनाने का झांसा, युवक के साथ हुआ कुछ ऐसा पुलिस भी रह गई दंग



**राजकोट।** गुजरात के राजकोट से चोंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक गे एप्लीकेशन से रिलेशन बनाने का झांसा देकर एक युवक को लूटा गया। राजकोट के एक प्राइवेट जॉब करने वाले शख्स ने एक गे एप्लीकेशन पर अकाउंट बनाया था। 20 अक्टूबर को उसी एप्लीकेशन पर उसका कॉन्टैक्ट रुद्र से हुआ और फिर फोन नंबर एक्सचेंज हुए। बात शुरू हुई तो दोनों रोज बातें करने लगे। दूसरे दिन जब वह काम पर था तब उसे रुद्र का कॉल आया जिसमें उसने शारीरिक संबंध की बात की जिसका शख्स ने स्वीकार किया और शाम को मिलने की बात हुई। जब शाम को वह रुद्र से मिलने के लिए पहुंचा तो रुद्र के साथ उसका एक दोस्त भी था। फिर तीनों लोग एक बाइक पर निकल पड़े। रास्ते में अचानक रुद्र ने एक वीरान जगह पर बाइक रोक दी और फिर दूसरा शख्स पीड़ित युवक को धमकाने लगा। उसने कहा तुम मेरे भाई को ऐसे मेसेज क्यों करते हो। फिर रुद्र और उसके दोस्त ने पीड़ित की पीटाई भी की। शिकायतकर्ता के पास एप्पल 8 फोन और 1 हजार रुपये थे जो उन्होंने लूट लिए। इसके बाद वह फिर उसे बाइक पर बिठाकर ले जाने लगे तो वह बाइक से कुद गया और जान बचाकर भागा। शिकायतकर्ता युवा ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि बाइक से कुदने की वजह से उसे थोड़ी चोटें लगी थीं।

## यूनिवर्सिटी में छात्रा के साथ दरिंदगी सीनियर छात्र निकला हैवान

**ग्वालियर।** ग्वालियर में देश की प्रतिष्ठित एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली फर्स्ट ईयर की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस वारदात को एक सीनियर छात्र ने अपनी दोस्त की मदद से अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने महाराजपुरा थाने में आरोपी छात्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों ही आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद एमिटी यूनिवर्सिटी में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठ खड़े हुए हैं।



पीड़ित छात्रा ने पुलिस को बताया कि यूनिवर्सिटी में ही पढ़ने वाली एक सीनियर छात्रा बहला फूसलाकर उसे अपने साथ कॉलेज कैम्पस में स्थित पार्किंग में ले गई, जहां कॉलेज में ही पढ़ने वाले जयसिंह कुशवाहा नाम के छात्र ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी करीब तीन घंटे तक उसके साथ मनमानी करता रहा, इसके बाद उसे छोड़कर चला गया। छात्रा आरोपी के चंगुल से जैसे-तैसे छूटकर अपने घर पहुंची, लेकिन बदनामी के डर से पहले तो उसने कुछ नहीं बताया, लेकिन उसकी उदासी देख जब घर वालों ने उससे पूछताछ की तो आखिरकार उसने अपने साथ हुई पूरी घटना बता दी। बितिया के साथ दरिंदगी का पता लगते ही परिजन तुरंत उसे महाराजपुरा थाने लेकर पहुंचे और पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद दोनों आरोपी छात्र-छात्राओं

के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। फिलहाल दोनों आरोपी फरार हैं और पुलिस उन्हें तलाश कर रही है।

इस मामले को लेकर ग्वालियर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने बताया है कि पीड़िता छात्रा ने शिकायत की है कि उसकी ही सीनियर दोस्त उसे बहलाकर यूनिवर्सिटी पार्किंग में ले गई थी, जहां पर पहले से ही सीनियर आरोपी छात्र मौजूद था। वहां पर उसने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। एमिटी यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इस मामले को लेकर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वह विदेश में हैं और चार्ज दूसरे अधिकारी के पास है। बलात्कार की इस घटना के बाद एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रबंधन पर सुरक्षा को लेकर फिर से सवाल उठने लगे हैं। विश्वविद्यालय कैम्पस में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं इसके बावजूद कैम्पस में इस तरह की वारदात होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। घटना होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन मामले को दबाने में जुटा हुआ है। वहीं बता दें कि बीते 2 महीने के दौरान एमिटी में हुई यह दूसरी बड़ी घटना है, जिसमें यूनिवर्सिटी की किरकिरी हो रही है। पहली घटना उस वक्त हुई थी जब एमिटी में पढ़ने वाले छात्र को डेंगू हो गया था, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने उसे छुट्टी नहीं दी और उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने एक हफ्ते तक लगातार हंगामा किया और अब छात्रा के साथ बलात्कार की घटना के बाद एमिटी फिर चर्चा में है।

## पत्नी किसी और की अंतिम संस्कार कहीं और

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के कानपुर में लापरवाही का हैरतंगेज मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी मृत पत्नी की जगह दूसरे की बाँडी का क्रिया कर्म कर दिया। क्रिया कर्म के बाद वह पत्नी की 13वीं करने की तैयारी में जुटा था तभी उसे पता चला कि जिस बाँडी का उसने क्रिया कर्म किया वह तो उसकी पत्नी थी ही नहीं।



शख्स ने जिसका अंतिम संस्कार किया वह महिला प्रेग्नेंट नहीं थी जबकि उसकी पत्नी जो %मृत्यु% से पहले घर से गायब हुई थी वह छ महीने की प्रेग्नेंट थी उसकी पत्नी वैसे गायब हो गई थी। महिला के गायब होने के बाद एक लावारिस बाँडी मिली थी, उस बाँडी के कपड़े देखकर पत्नी के भाई ने मोचरी में शिनाखा की थी यह मेरी बहन ही है। उसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम करा के बाँडी को पति को सौंप दिया गया था। पति ने उसका क्रिया कर्म कर दिया लेकिन जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई है तो पता चला जिस महिला का क्रिया कर्म किया गया

वह प्रेग्नेंट नहीं थी। कानपुर के गुजैनी के रहने वाले विजय कुमार की पत्नी कोमल से उसकी शादी इसी साल 12 मार्च को हुई थी। विजय बेकरी कर्मचारी है दोनों को शादी ठीक चल रही थी, लेकिन अचानक 18 अक्टूबर को कोमल घर से लापता हो गईं। कोमल का मायका कौशांबी में था। विजय ने ससुराल वालों को सूचना दी तो वह लोग वहां से आए और काफी खोजबीन की गई।

फिर 19 अक्टूबर को विजय ने पत्नी के लापता होने के लिए रिपोर्ट गुजैनी थाने में दर्ज करा दी। इसके बाद 20 अक्टूबर को गुजैनी की पांडव नहर में एक लावारिस महिला का शव मिला था। पुलिस उसकी पहचान नहीं कर पाई थी इसलिए उसको मोचरी में रखवा दिया गया।

## डेटिंग ऐप पर दोस्त बनाकर ठग रहे शातिर

**शिमला।** डिजिटल टेक्नोलॉजी ने हर काम को बेहद आसान बना दिया। अब लोग अपने पार्टनर की तलाश करने के लिए डिजिटल मध्यम यानी डेटिंग ऐपस का इस्तेमाल कर रहे हैं। आपको ऐसे बहुत से कपल मिल जाएंगे, जिन्होंने अपने पार्टनर



को डेटिंग ऐपस के माध्यम से ढूंढा है। लेकिन डेटिंग ऐपस का अनुभव सबके लिए सही हो ऐसा संभव नहीं है। बहुत से लोगों डेटिंग ऐपस पर साइबर ठगी का शिकार भी हो रहे हैं। साइबर पुलिस ने युवाओं का सतर्क रहने की हिदायत दी है। आज इंटरनेट पर 100 से अधिक डेटिंग ऐपस हैं, जहां पर लड़कें, लड़कियों को अपने पार्टनर की तलाश रहती है। कुछ लड़कें,

लड़कियां तो वास्तव में पार्टनर की तलाश में ही इन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लड़कें-लड़कियां ऐसे होते हैं। जो प्यार के नाम पर ओपसाइड जेंडर को अपने जाल में फंसाने का काम कर रहे हैं। डेटिंग ऐपस पर पार्टनर बनाने को लेकर साइबर सैल शिमला की ओर एडवाइजरी जारी की गई है। ऐसे बहुत से कपल्स हैं, जिन्होंने अपने साथी को डेटिंग ऐप से ढूंढा है, लेकिन डेटिंग ऐप का अनुभव सबके लिए सही नहीं हो सकता है। बहुत से लोग इन ऐपस से साइबर फ्राड्स का शिकार भी हो रहे हैं। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी है। साइबर सैल ने जारी की एडवाइजरी में युवाओं से डेटिंग ऐप पर एकाउंट खोलने से पहले विभिन्न बातों का ध्यान रखने की सलाह दी है।

## विदेशी महिला पर्यटकों के साथ ऐसी हरकत...रील के चलन में डूबे रीलबाज

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में विदेशी महिला पर्यटकों के साथ बदसलूकी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए रीलबाज के खिलाफ ऐक्शन की मांग कर रहे हैं। विदेशी पर्यटकों को असहज करते हुए बनाए गए रील पर भोजपुरी का एक गाना लगाया गया है।



31 सेकेंड के वायरल वीडियो में दिख रहा है कि इंडिया गेट पर दो विदेशी महिला पर्यटक बांसुरी खरीद रही हैं। इस बीच वहां दो रीलबाज पहुंच जाते हैं। दोनों पर्यटकों के चारों तरफ घूमते हुए नाचने लगते हैं। महिला पर्यटक वीडियो में असहज दिख रही हैं। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने वीडियो शेयर करते हुए

लिखा, 'यह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का इंडिया गेट है और यह विदेशी मेहमान हैं। रील के नाम पर बेहूदा कमेंटबाजी चल रही है। पुलिस प्रशासन सोया हुआ है, जबकि देश की विदेश में भद्द पिट रही है। ऐसे कृत्यों और बेहूदा रील बनाने पर तुरंत रोक लगे।' कई लोग दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए रीलबाज पर ऐक्शन की

मांग कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कितना घटिया व्यवहार कर रहा है यह विदेशी मेहमान के साथ। वीडियो बनाने के चक्कर में अपने ही देश को बदनाम कर रहा है। पुलिस को इस पर जल्दी ऐक्शन लेना चाहिए इसके और भी वीडियो हैं जिनमें यह विदेशी मेहमानों के सामने भद्दा तरीका से डांस करता है। और गलत गलत इशारा करता है। विदेशी मेहमानों के साथ ऐसा व्यवहार अगर भारत में होगा तो कौन भारत में घूमने आएगा। लाइव हिन्दुस्तान ने पड़ताल की तो पता चला कि रील बनाने वाले शख्स का नाम सचिन कुमार है। वह सचिन राज वायरल के नाम से इंस्टाग्राम पर रील बनाता है।





#### चार महानगरों में पेट्रोल की कीमतें

नई दिल्ली- 94.72 रुपये प्रति लीटर  
मुंबई-104.21 रुपये प्रति लीटर  
कोलकाता-103.94 रुपये प्रति लीटर  
चेन्नई-100.75 रुपये प्रति लीटर

#### चार महानगरों में डीजल की कीमतें

नई दिल्ली- 87.62 रुपये प्रति लीटर  
मुंबई-92.15 रुपये प्रति लीटर  
कोलकाता-104.95 रुपये प्रति लीटर  
चेन्नई-88.95 रुपये प्रति लीटर

## दिवाली पर सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली- दिवाली से पहले 14 जनता को एक बड़ी राहत मिली। त्योहार से पहले पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। दरअसल, तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स के लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए उनके कमीशन में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह फैसला इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने किया है और इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'डू' पर दी है। हालांकि, इस बदलाव से आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा।

#### आज से लागू हुआ नया कमीशन

IOC ने बताया कि डीलर्स का बढ़ा हुआ कमीशन 30 अक्टूबर 2024 से लागू कर दिया गया है। वर्तमान में डीलर्स को पेट्रोल पर 1,868.14 रुपये प्रति किलोलीटर और डीजल पर 1,389.35 रुपये प्रति किलोलीटर के साथ बिल मूल्य का भी एक हिस्सा कमीशन के रूप में मिलता है। इस बदलाव के बावजूद पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

#### किन राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल?

राज्यों के भीतर माल ढुलाई लागत में कटौती के कारण कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मिजोरम और हिमाचल प्रदेश में अब ईंधन की कीमतें घट गई हैं। उदाहरण के लिए, ओडिशा के मलकानगिरी के कुनानपल्ली में पेट्रोल 4.69 रुपये और डीजल 4.45 रुपये सस्ता हुआ है। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के सुकमा में पेट्रोल 2.09 रुपये और डीजल 2.02 रुपये प्रति लीटर सस्ता हो गया है।

## भारत बन रहा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्यातक



नई दिल्ली- मेक इन इंडिया पहल की वजह से भारत का मोबाइल विनिर्माण उद्योग तेजी से विकास कर रहा है और दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। सैमसंग और एप्पल जैसे प्रमुख कंपनियों देश में बड़े पैमाने पर फैक्ट्रियां स्थापित कर रही हैं, जिससे भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्यातक बन गया है।

#### नोएडा में सैमसंग की मेगा फैक्ट्री

सैमसंग ने नोएडा में दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माण संयंत्र खोला है, जिसकी उत्पादन क्षमता 68 मिलियन से बढ़कर 120 मिलियन फोन प्रति वर्ष हो गई है। यह फैक्ट्री मेक फॉर द वर्ल्ड-रणनीति के तहत काम कर रही है, जो न केवल भारत बल्कि सार्क क्षेत्र और अन्य देशों के लिए भी फोन का निर्माण करती है। सैमसंग अपने उत्पादों को भारतीय उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित कर रहा है, जो स्थानीय शोध और विकास पर ध्यान केंद्रित करके किया जा रहा है। इससे भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है और स्थानीय उत्पादन को भी समर्थन मिल रहा है।

#### एप्पल का भारत में उत्पादन

एप्पल भी अपने उत्पादन को भारत की ओर स्थानांतरित कर रहा है। पहली बार, iPhone 16 सीरीज के प्रीमियम मॉडल, जैसे प्रो और प्रो मैक्स, तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में फॉक्सकॉन के माध्यम से असेंबल किए जाएंगे। इसके लिए कई भारतीय श्रमिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो भारत के लिए एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला में बढ़ते महत्व को दर्शाता है। एप्पल का यह कदम उत्पादन में विविधता लाने की बड़ी योजना का हिस्सा है। वर्तमान में, भारत में 14 बिलियन डॉलर के iPhone का निर्माण हो रहा है, जो एप्पल के वैश्विक उत्पादन का 14 प्रतिशत है।

## महंगाई के बावजूद बिका 20 हजार करोड़ का सोना

### चीन को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान

**बिजनेस डेस्क:** देशभर में धनतेरस का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है और इस दौरान व्यापारियों की जोरदार बिक्री हो रही है। दोपहर तक सुस्त पड़े बाजार में शाम से ही रौनक लौट आई। दिल्ली सहित देश के प्रमुख बाजारों में खरीदारों का हुजूम उमड़ पड़ा और महंगाई के बावजूद बंपर कारोबार का अनुमान जताया जा रहा है। इस बार धनतेरस की खास बात ये रही कि बाजार में वोकल फॉर लोकल का बोलबाला दिखा और चाइनीज सामान नदारद रहे। लोगों ने सोने-चांदी, बर्तन, झाड़ू, मूर्तियां खिलौने और सजावट के सामान जमकर खरीदे, जिसमें अब तक 20 हजार करोड़ रुपए का सोना और 2500 करोड़ रुपए की चांदी बिकी है। चीनी सामान की बिक्री घट गई और चीन को करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कम्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि कल और आज धनतेरस के मौके पर देशभर में लगभग 60 हजार करोड़ रुपए के व्यापार का अनुमान है। इस दिवाली पर वोकल फॉर लोकल का जलवा पूरी तरह बाजारों में दिख रहा है, क्योंकि लगभग खरीदारी भारतीय सामानों की ही हो रही है। एक अनुमान के अनुसार दिवाली से जुड़े चीनी सामानों की बिक्री अब नहीं होने से चीन को लगभग 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए के व्यापार की चपत लगी है।

#### किस सामान की ज्यादा खरीदारी

कैट ने बताया कि धनतेरस पर आज देशभर में लगभग 20 हजार करोड़ का सोना और लगभग 2500 करोड़ की चांदी की खरीदारी हुई है। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (AIJGF) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोरा ने बताया कि धनतेरस पर पूरे देश



में सोने और चांदी की जबरदस्त बिक्री हुई है। देश में लगभग चार लाख छोटे और बड़े ज्वेलर्स काम करते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो में 2 लाख ज्वेलर्स पंजीकृत हैं, जिन्होंने आज लगभग 25 टन सोने के गहने बेचे हैं। इसी तरह, देशभर में 250 टन चांदी बिकी।

#### दिल्ली में यहां सजा बाजार

खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली में आज धनतेरस

## 3 साल बाद GST रिटर्न फाइल करने पर होगी पाबंदी, बदलने वाले हैं नियम

नई दिल्ली: जीएसटी रिटर्न को लेकर अगले साल की शुरुआत से नियम में बदलाव हो रहे हैं। इसके तहत 2025 की शुरुआत से जीएसटी करदाता मूल रूप से रिटर्न फाइल करने की नियत तारीख से तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने मंगलवार को एक परामर्श में यह कहा। इसमें कहा गया है कि जीएसटी बिक्री रिटर्न के अलावा देनदारी के भुगतान, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर कर संग्रह से संबंधित रिटर्न पर नया नियम लागू होगा। यानी रिटर्न जमा करने की नियत तिथि से तीन साल की अवधि की समाप्ति के बाद रिटर्न भरने पर पाबंदी होगी। जीएसटीएन ने कहा, “उक्त बदलाव अगले साल (2025) की शुरुआत से जीएसटी पोर्टल में लागू होने जा रहा है। इसीलिए, करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने रिकॉर्ड का मिलान कर लें और अभी तक जीएसटी रिटर्न नहीं भरा है तो जितनी जल्दी हो उसे भर दें। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि जीएसटीएन ने अनुपालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत तीन साल की समयसीमा के बाद जीएसटी रिटर्न दाखिल करने पर रोक है। उन्होंने कहा, “यह कदम समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने, आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ाने और जीएसटी प्रणाली के भीतर बिना भरे रिटर्न के ‘बैकलॉग’ को संभावित रूप से कम करने के मकसद से जुड़ा है। देरी से रिटर्न फाइल किये जाने से जुड़े मामले में अवधि को सीमित करने से करदाताओं को अपने रिकॉर्ड का मिलान करने और सुधारने के लिए प्रेरित किया गया है मोहन ने कहा, “हालांकि, यह उन करदाताओं के लिए चुनौतियां भी पैदा कर सकता है, जिन्होंने रिटर्न भरा ही नहीं है। खासकर उन करदाताओं के लिए जो पुराने रिकॉर्ड को समेकित करने में प्रशासनिक या लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। 1% उन्होंने कहा कि कंपनियों को सक्रिय रूप से अपने रिटर्न फाइलिंग का ऑडिट करने और बची हुई अवधि के भीतर अगर कोई बचा हुआ रिटर्न है, तो उसका समाधान करने की सलाह दी जाती है।

